प्रायोगिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

मेरठ, जुलाई 2022, अंक– 4

4 योग दिवस पर शिविर, योगमय हुआ परिसर

3 पत्रकारिता विभाग में सीखिये लाइट, कैमरा, एक्शन

2 पत्रकारिता में तथ्य छिपाना मर्डर के समान

सीसीएसयू ने भरी अंतर्राष्ट्रीय उड़ान

आस्ट्रेलिया की मर्डोक यूनिवर्सिटी से करार | अमेरिका के पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय से एमओयू

दिल्ली में सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करतीं कुलपति और आस्ट्रेलिया के प्रतिनिधि।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और मर्डोक यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार 14 जुलाई को दिल्ली के ताज होटल में एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा, खेल एवं धरोहर मंत्री डेविड टेंपलेमैन ने कहा कि यह एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच न केवल शिक्षा, शोध, फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रमों तक सीमित रहेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि भारत में मेधा का भंडार है और हम इस मेधा को प्लेटफार्म उपलब्ध कराएंगे, ताकि शोध के क्षेत्र में नए आयाम एवं कीर्तिमान स्थापित हो सकें।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एमओयू सामरिक संबंधों के साथ–साथ कृषि, लॉ, जनसंचार, मनोविज्ञान एवं फिजिकल साइंस के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने में महती भूमिका निभाएगा। उनका विश्वास है कि दोनों मिलकर नए आयाम एवं नवीन शोध दुनिया को दे सकेंगे।

एमओयू के मुख्य बिंदु, जिन पर सहमति बनी

- शोध प्रशिक्षण देना
- शिक्षण, पाठ्यक्रम निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन करना
- शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का आदान–प्रदान तथा इनके उन्नयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना
- प्रायोजित सहयोगात्मक सेमिनार, कार्यशाला का आयोजन करना
- आपसी सहयोग से प्रोजेक्ट एवं शोध प्रयोगों का आदान प्रदान करना
- डुअल डिग्री प्रोग्राम का संचालन।

इस अवसर पर मर्डोक यूनिवर्सिटी के प्रति कुलपति कैली स्मिथ, सीसीएसयू की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला, कृषि विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र गौरव, कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

पांच साल का समझौता

एमओयू का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा और इसके नोडल अधिकारी के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा व मर्डोक यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया की ओर से प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर राजीव वार्ष्णेय रहेंगे।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि अंतरर्राष्टीय स्तर पर विश्वविद्यालय का यह पहला एमओयू है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, शोधार्थियों, छात्र–छात्राओं, अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। प्रोफेसर वार्ष्णेय ने अपनी मातृ संस्था के साथ अपने वर्तमान विश्वविद्यालय के साथ इस समझौता ज्ञापन पर प्रसन्नता व्यक्त की। कहा कि हम मर्डोक विश्वविद्यालय से सभी विषयों में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में सीसीएस के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग एवं नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैटेरियल्स एडवांसमेंट (नीमा) पीट्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी अमेरिका के बीच शुक्रवार को एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह एमओयू अकादिमक एवं वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में समान हितों को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्ट कार्य कर समाज को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रेस प्रवक्ता प्रो. प्रशांत कुमार ने बताया कि सीसीएसयू के शिक्षक विज्ञान, मानविकी, कला तथा अभियांत्रिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता के आधार पर शोध को प्रोत्साहन देंगे।

मुख्य बिंदु

- सीसीएसयू के भौतिकी विभाग और पिट्सबर्ग के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैटेरियल्स एडवांसमेंट के साथ समझौता
- दोनों विश्वविद्यालयों के स्नातक, परास्नातक एवं पी०एचडी० शोधार्थियों के समान हितों को ध्यान में रखते हुए शोध को प्रोत्साहन देना इसका उद्देश्य

दोनों विश्वविद्यालयों के स्नातक, परास्नातक एवं पी०एच०डी० शोधार्थियों के समान हितों को ध्यान में रखते हुए शोध को प्रोत्साहन देना भी इस एमओयू का उद्देश्य है। दोनों संस्थान शिक्षण एवं शोध कार्यक्रमों में आपसी सहमति के साथ प्रतिभाग करेंगे। दोनों संस्थानों के बीच फैकल्टी, शोध छात्रों का भी आदान–प्रदान किया जाएगा। साथ ही दोनों विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं वैज्ञानिक एक–दूसरे के विश्वविद्यालय में शोध निदेशक भी बन सकेंगे। इसके साथ ही दोनों विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं छात्र–छात्राएं एक दूसरे विश्वविद्यालयों की प्रयोगशालाओं का भी उपयोग कर सकेंगे।

सीसीएसयू की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय के स्थापना के समय से ही भौतिकी विभाग विश्वस्तरीय रहा है। इस प्रकार के एमओयू हमारे शोधार्थियों एवं छात्रों को एक उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के साथ–साथ अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर भी प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास विश्वस्तरीय संसाधन हैं। इन संसाधनों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को मिले यह हमारा प्रयास रहेगा।

उपलब्धि

एमओयू के नोडल अधिकारी एवं भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह ने बताया कि पीट्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधार्थी विज्ञान, कला एवं अभियांत्रिकी के साथ–साथ भारत की ऐतिहासिक धरोहर, आयुर्वेद, योग, जीवन मूल्यों एवं भारतीय दर्शन पर अध्ययन करने के साथ–साथ शोध भी करेंगे। इस अवसर पर प्रो. भूपेन्द्र सिंह, प्रो. मृदुल गुप्ता, प्रो. हरे कृष्णा, प्रो. बिन्दु शर्मा, प्रो. नीलू जैन, प्रो. मुकेश शर्मा, प्रो. अनिल मलिक, प्रो. अनुज, डॉ. योगेन्द्र गौतम, डॉ. अनिल यादव, डॉ. कविता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

छात्रों को मीडिया संगठनों में इंटर्नशिप और रोजगार की सुविधा

तिलक पत्रकारिता स्कूल का मीडिया फेडरेशन से सहयोग समझौता

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में स्थित तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल और मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के बीच सोमवार छह जून को सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) के तहत तिलक पत्रकारिता संस्थान से पढ़ाई करने करने वाले विद्यार्थियों को मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया विभिन्न मीडिया संगठनों में इंटर्नशिप एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। करार के मुताबिक प्लेसमेंट की सुविधा भी कराई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति और मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव ने इस महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के अनुसार तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के विद्यार्थियों को मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया विभिन्न मीडिया संगठनों में इंटर्नशिप एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

इतना ही नहीं इसके अलावा विद्यार्थियों और शिक्षकों को विभिन्न कार्यक्रमों में आमंत्रित भी किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप, जॉब ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाएगी और प्लेसमेंट की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी।

एमओयू के अनुसार मीडिया विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल भी मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के गतिविधियों और कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा और क्षेत्रीय राष्ट्रीय एवं अतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शिक्षकों एवं विशेषज्ञों की सहभागिता को सुनिश्चित करेगा।

सहयोग समझौते के दौरान सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, मीडिया फेडरेशन के पदाधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षकगण।

58वें वर्ष में कदम रखने के साथ ही अब गुणवत्ता की दौड़ में सीसीएसयू

नौ जिलों में एक हजार से अधिक कालेजों को सालों तक संभालने वाला चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय 1 जुलाई 2022 को 57 साल का हो गया। 58वें वर्ष में कदम रखने के साथ ही विश्वविद्यालय का बोझ कम हो गया है और नया दौर शुरू हो गया है। कार्य पद्धति, शिक्षण और पाठ्यक्रम में बदलाव करते हुए अब विश्वविद्यालय ने गुणवत्ता की दौड़ में कदम बढ़ा लिए हैं। स्नातक और परास्नातक में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम, प्रवेश से परीक्षा तक आनलाइन व्यवस्था, सौर ऊर्जा से सुसज्जित और पूरी तरह से वाई–फाई परिसर के साथ इस सत्र से विश्वविद्यालय छह जिलों के साथ आगे बढ़ेगा। नए मिशन और नए विजन के साथ विश्वविद्यालय में इस सत्र में नए पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ ही परिसर के हर विभाग को शोध कार्यों से जोड़ने की पहल भी हो चुकी है।

ए–प्लस नैक ग्रेड लेना बना सामूहिक लक्ष्य

विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1965 में मेरठ विश्वविद्यालय के नाम से हुई थी। वर्ष 1994 में इसका नाम बदलकर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय रखा गया। तब से अब तक विश्वविद्यालय को एक बार बी–प्लसप्लस–ग्रेड मिली थी। वर्तमान ग्रेड बी–प्लस है। इस बार पहली बार पूरा विश्वविद्यालय सामूहिक तौर पर ए–प्लस नैक ग्रेड लेने के लिए साथ कार्य कर रहा है। हर विभाग की उपलब्धियां एक मंच पर हैं। देश के जाने–माने ए–प्सलप्लस ग्रेड वाले विश्वविद्यालयों की बेस्ट प्रैक्टिसेस को भी शामिल किया जा रहा है। तेजी से कदम बढ़ाते. विश्वविद्यालय को यदि इस वर्ष ए–ग्रेड या उससे ऊपर का कोई ग्रेड मिलता है तो यह 57 सालों की उपलब्धियों में सबसे बड़ी होगी।

चौधरी चरण विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर 1 जुलाई को परिसर में हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, प्रति कुलपति वाई. विमला और विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

एक नजर में विश्वविद्यालय

- छह जिलों के 680 कालेज हैं विश्वविद्यालय से संबद्ध।
- विश्वविद्यालय परिसर व कालेजों में संचालित हैं 162 पाठ्यक्रम।
- छह जिलों में करीब 4.30 लाख विद्यार्थी हैं पंजीकृत।
- विश्वविद्यालय परिसर में संचालित हैं 10 फैकल्टी यानी संकाय।
- 10 संकायों के अंतर्गत परिसर में हैं 39 विभाग।
- परिसर के आठ छात्रावासों में उपलब्ध हैं 850 कमरे।

नारद जयंती समारोह में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र तथा कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि (नीचे)।

पत्रकारिता में तथ्य छिपाना मर्डर के समान : प्रफुल्ल केतकर

नारद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में पांच पत्रकारों का सम्मान

परिसर संवाददाता

मेरठ। आने वाले पांच वर्ष में भारत डाटा का हब बनेगा। डाटा को शस्त्र के रूप में इस्तेमाल किया जायेगा। मीडिया को तय करना होगा कि सत्य को कब और कहां स्थापित करना है। मीडिया का उद्देश्य समाज और राष्ट्रहित में होना चाहिये। ब्रेकिंग के चक्कर में गलत दिखाने से समाज को नुकसान होगा। असत्य को कहना मर्डर के बराबर है और अर्द्धसत्य को कहना डबल मर्डर के समान है। ये बातें आर्गनाइजर अखबार के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने 15 मई को तिलक पत्रकारिता स्कूल और विश्व संवाद केंद्र द्वारा आयोजित नारद जयंती समारोह में कहीं।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि संचार के बिना संवाद नहीं हो सकता है। तथ्यों और घटनास्थल पर मौजूद रहकर जो संवाद होता है वह न्यूज होती है। मीडिया का उद्देश्य सत्य का प्रतिपादन होना चाहिये। कोई भी न्यूज फेक नहीं हो सकती और जो फेक है वह न्यूज नहीं होती है। केवल नैरेटिव फेक होता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आलोक कुमार (अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख) ने कहा कि हर विषय में भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल तत्व है। किसी भी विषय चाहे विज्ञान हो, चिकित्सा हो या फिर

कुछ अन्य, भारतीय ज्ञान परंपरा में सर्वत्र व्याप्त है। कोई भी काम यदि किया जाना है तो उसका कोई ने कोई आदर्श होता है। समाचारों का संवाद नारज जी ने ही शुरू किया था। नारद जी सर्वत्र विश्वसनीय थे। संवाद समाचार के आद्य संवाददाता नारद जी ही थे। नारद जी आदर्श पत्रकार पहले भी थे, आज भी हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने नारद के भक्ति सूत्रों के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही चौधरी चरण सिंह विश्ववविद्यालय की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने कहा कि वर्तमान में मीडिया के कई प्रकार हो गये हैं। उन्होंने कहा कि खबरों में नकारात्मकता को न आने दें।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने स्वागत उद्बोधन किया। विश्व संवाद केंद्र न्यास के अध्यक्ष श्याम बिहारी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन बीनम यादव ने किया। इस दौरान पांच पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इनमें हिंदुस्तान समाचार पत्र के वरिष्ठ छायाकार अनुज कौशिक, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से लोकेश टंडन, ट्विटर एक्टीविस्ट अखंड प्रताप, निस्कॉर्ट कॉलेज की प्रिंसिपल रितु दुबे और अमर भारती के पत्रकार देवनाथ शामिल थे। इन्हें प्रशस्ति पत्र, शॉल, पादप और 11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया।

हर कोर्स के स्नातक पढ़ सकेंगे साइबर लॉ

परिसर संवाददाता

मेरठ। आपने बीए, बीएससी, बीकाम या किसी भी कोर्स से स्नातक की पढ़ाई की है और साइबर लॉ पढ़ना चाहते हैं तो चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आपका स्वागत है। विश्वविद्याय की पिछले दिनों हुई बोर्ड आफ स्टडीज में यह निर्णय लिया गया है। यह एक साल में दो सेमेस्टर का सर्टिफिकेट कोर्स होगा। इसे इसी सत्र 2022–23 में शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

एलएलबी की पढ़ाई अनिवार्य नहीं

विशेष बात यह है कि साइबर लॉ के सर्टिफकेट कोर्स को करने के लिए स्नातक में एलएलबी की पढ़ाई की करना अनिवार्य नहीं होगा। किसी भी कोई से स्नातक करने वाले यह कोर्स अधिकतम दो साल के भीतर पूरा कर सकते हैं। विधि संकाय की अध्यक्ष डा. अंजलि मित्तल ने बताया कि लॉ की पढ़ाई को अधिक रोजगारपरक और उपयोगी बनाने के लिए अहम निर्णय लिया गया है। इसमें एलएलएम पाठ्यक्रम में एक नया ग्रुप बनाया गया है।

सर्वसम्मति से निर्णय लिया

अब तक तीन ग्रुप थे जिसमें चौथा ग्रुप इंटलेक्चुअल प्रापर्टी ला का है। इसे विस्तार से पढ़ने का अवसर देने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि एलएलएम पाठ्यक्रम में अब छात्र कापी राइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क आदि के बारे में पढ़ सकेंगे। इसके अलावा लॉ के कुछ वैल्यू एडेड कोर्सेज का लाभ दूसरे संकाय के छात्रों को भी मिलेगा। इनमें ला एंड मीडिया, ड्राफ्टिंग स्किल्स, पैरा लीगल सर्विसेस और ह्यूमन राइट्स प्रमुख हैं।

आदिवासी चित्रकला संग डिजिटल आर्ट भी

विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स विभाग ने चित्रकला में भारतीय पारंपरिक कला संग आधुनिकता को भी समाहित किया गया है। विभागाध्यक्ष अलका तिवारी के अनुसार एमए विजुअल आर्ट में फोटोग्राफी और डिजिटल आर्ट को जोड़ा गया है। पारंपरिक लोककला को आधारित पाठ्यक्रम में आदिवासियों की कला शामिल किया गया है।

मुख्य संरक्षक– प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **संरक्षक–** प्रो. वाई. विमला (प्रति कुलपति), **मुख्य संपादक–** प्रो. प्रशांत कुमार, **संपादक–** डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **संपादकीय सहयोगी–** लव कुमार सिंह, श्रीमती बीनम यादव, **परिसर संपादकीय टीम–** कोपल, तनु, अनुष्का चौधरी, अर्पित शर्मा, भारत अधाना, लक्ष्मी चौधरी, सूर्य प्रताप सिंह, जेसिका, प्राची, आकाश, अश्विनी फोगाट।

तिलक पत्रकारिता स्कूल के नये पाठ्यक्रमों की जानकारी देते डा. प्रशांत कुमार और डा.मनोज कुमार श्रीवास्तव।

मीडिया विश्वविद्यालयों, संस्थानों की रैंकिंग में पत्रकारिता विभाग को देश में मिला छठा स्थान

परिसर संवाददाता

मेरठ। देशभर के मीडिया विश्वविद्यालयों व संस्थानों की रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल को देश में सरकारी विश्वविद्यालयों में छठवां स्थान मिला है। उत्तर प्रदेश के सरकारी संस्थानों में दूसरा स्थान मिला है। वहीं उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को पहला स्थान यानी पहली रैंकिंग मिली है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मीडिया विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में भी सरकारी विश्वविद्यालयों व संस्थानों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को तीसरी रैंक मिली है। राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश के सरकारी एवं निजी मीडिया संस्थानों में 32वां रैंक है।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रवक्ता एवं पत्रकारिता विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया इंडिया टुडे की ओर से की जाने वाली इस रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने पहली बार हिस्सा लिया था और पहली बार में ही उन्हें यह सफलता मिली है।

कई मानकों पर निर्धारित की गई रैंकिंग

इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालयों व संस्थानों को विभिन्न स्तर पर आकलन के जरिए रैंकिंग प्रदान की गई है। इसमें प्रवेश की प्रक्रिया, गवर्नेंस, अकादमिक उत्कृष्टता, इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवेश, व्यक्तित्व

एवं नेतृत्व क्षमता का विकास, करियर में प्रगति एवं प्लेसमेंट की उपलब्धता, पाठ्यक्रमों में उद्देश्यपरकता, अवधारणा जैसी श्रेणियां इस रैंकिंग का आधार है। रैंकिंग में सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों व संस्थानों को शामिल किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विभाग को बधाई देते हुए कहा के विद्यार्थियों को अच्छे वातावरण देने के साथ ही उनको इंडस्ट्री के अनुरूप तैयार कर रोजगार के अवसर प्रदान कराने में मदद करें। डिजिटल मीडिया के युग में विद्यार्थी स्वरोजगार की ओर भी अग्रसर हो सकें, इसमें विश्वविद्यालय को प्रयास करना होगा।

प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला, कुलसचिव धीरेंद्र वर्मा सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों व शिक्षकों ने पत्रकारिता विभाग को बधाई दी।

अब पत्रकारिता विभाग में सीखिये लाइट, कैमरा, एक्शन

तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में 27 वैल्यू एडेट कोर्स भी शुरू हो रहे

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने भविष्य को देखते हुए पठन–पाठन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रदेश सरकार की ओर से जेवर में बनाई जा रही फिल्म सिटी के लिए निर्माता, निर्देशक, अभिनेता, अभिनेत्री, कैमरामैन, एडिटर आदि विश्वविद्यालय में तैयार होंगे। परिसर स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और राजकीय डिग्री कालेज जेवर में सत्र 2022–23 में शुरू किए जा रहे नए पाठ्यक्रम इसी दिशा में एक कदम है।

परिसर के स्कूल और जेवर कालेज में इस वर्ष बैचलर इन फिल्म एंड थियेटर स्टडीज, बैचलर इन सिनेमेटोग्राफी और पीजी डिप्लोमा इन वीडियो एडिटिंग का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही परिसर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्टूडियो भी तैयार किया जा रहा है, जिसमें फिल्म निर्माण की अन्य बारीकियों सहित और भी प्रशिक्षण दिए जाएंगे।

शुक्रवार 24 जून को तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में आयोजित प्रेस वार्ता में विभाग के निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रेस प्रवक्ता प्रो. प्रशांत कुमार ने बताया कि वर्तमान सत्र में विभाग से उत्तीर्ण 35 छात्र छात्राएं मेरठ सहित दिल्ली आदि शहरों में विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत हैं। कुछ छात्र यू–ट्यूब चौनल पर अपना काम शुरू कर अच्छे प्रोफेशनल्स में नाम शुमार कर चुके हैं। वह साथियों को भी रोजगार देने में सक्षम हैं।

बढ़ते कदम

27 वैल्यू ऐडेड कोर्स भी कराएगा पत्रकारिता विभाग

पत्रकारिता विभाग ने डिप्लोमा, डिग्री व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के साथ 27 वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इन्हें विभिन्न कोर्सेज के साथ जोड़ा गया है। साथ ही बाहरी व्यक्ति, प्रोफेशनल या अन्य भी यह कोर्स कर सकेंगे। करीब 30 घंटे के इन कोर्स को महीने भर या सप्ताह भर में आयोजित कार्यशाला के जरिए भी कराने की योजना है।

यह हैं वैल्यू ऐडेड पाठ्यक्रम

- **बीएजेएमसी आनर्स :** डिजिटल जर्नलिज्म, एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस, फोटो जर्नलिज्म, मास मीडिया राइटिंग स्किल्स, कारपोरेट कम्यूनिकेशन एंड मीडिया मैनेजमेंट, रूरल एंड एनवायरनमेंटल कम्युनिकेशन, हिस्ट्री आफ प्रेस एंड मीडिया ला, डेवलपमेंट एंड इंटरनेशनल कम्यूनिकेशन, बिजनेस एंड स्पोर्ट्स जर्नलिज्म और मीडिया एंड कल्चरल स्टडीज।
- **एमएजेएमसी :** हिस्ट्री आफ प्रेस मीडिया ला एंड एथिक्स, सोशल एंड पा. लिटकल सिस्टम आफ इंडिया, डेवलपमेंट एंड इंटरनेशनल कम्यूनिकेशन, आइटी एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन इन मास मीडिया, एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस, डिजिटल जर्नलिज्म, एनवायरमेंट कम्युनिकेशन और कम्युनिकेशन रिसर्च।
- **बैचलर इन फिल्म एंड थियेटर स्टडीज :** एप्लाइड थिएटर, अंडरस्टैंडिंग फिल्म लैंग्वेज, कैमरा आपरेटिंग, प्री–प्रोडक्शन एंड पोस्ट–प्रोडक्शन टेक्निक्स, आर्ट आफ फिल्मेकिंग और एक्टिंग फार द कैमरा।
- **बैचलर इन सिनेमैटोग्राफी :** इंट्रोडक्शन टू सिनेमैटोग्राफी और टेलीविजन फार्मेट्स एंड जेनरे और अंडरस्टैंडिंग कैमरा फार्मेट।
- **पीजी डिप्लोमा इन वीडियो एडिटिंग :** बेसिक कांसेप्ट आफ एडिटिंग और आनलाइन एंड आफलाइन वीडियो एडिटिंग।

विभाग में पढ़ाए जा रहे ये पाठ्यक्रम

- बीए इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन आनर्स।
- बैचलर इन फिल्म एंड थियेटर स्टडीज।
- बैचलर इन सिनेमैटोग्राफी।
- एमए इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन यानी एमएजेएमसी।
- पीजी डिप्लोमा इन फिल्म प्रोडक्शन।
- पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशन।
- पीजी डिप्लोमा इन फंक्शनल जर्नलिज्म।
- सर्टिफिकेट इन मोबाइल जर्नलिज्म।
- पीजी डिप्लोमा इन वीडियो एडिटिंग
- पीएचडी

हम इंडस्ट्री के लिए प्रोफेशनल तैयार करेंगे : प्रशांत कुमार

जो इंडस्ट्री की आवश्यकता है उसे हमने सिलेबस का हिस्सा बनाया है। कोर्स तैयार करने में एक–एक बिंदु को मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री के व्यवहारिक पक्ष को ध्यान में रखकर तैयार किया है। प्रैक्टिकल को वरीयता दी है। हम मीडिया, फिल्म, सिनेमा के लिए व्यवहारिक ज्ञान रखने वाले प्रोफेशनल तैयार करेंगे। पाठ्यक्रम में किसी भी विधा से जुड़े विद्वान और विशेषज्ञों से छात्रों को सिखाया जाएगा।

छात्रों के नवाचार को सीसीएसयू से मिला नकद राशि के रूप में प्रोत्साहन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के स्टार्टअप सेल एंड इंक्यूबेशन सेंटर की ओर से नवाचार की दिशा में प्रयास करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। पहले चरण में 15 छात्र–छात्राओं के प्रोजेक्ट को चुनकर पांच–पांच हजार रुपये दिए गए।

विश्वविद्यालय के एप्लाइड साइंस विभाग में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छात्र पूरी मेहनत और निष्ठा के साथ कोई आइडिया रखते हैं तो उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। सेंटर के समन्वयक प्रोफेसर हरे कृष्ण ने स्टार्टअप सेल के विषय में बताया। कहा कि छात्रों के कई आइडिया को स्टार्ट अप में आगे बढ़ाया जा सकता है। संचालन डॉ. वंदना ने किया। प्रति कुलपति वाई.विमला, रजिस्ट्रार धीरेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी सुशील कुमार भी इस मौके पर मौजूद रहे।

स्टार्ट अप सेंटर में छात्र–छात्राओं ने 48 प्रोजेक्ट दिये थे। इनमें से 15 को प्रोत्साहन राशि मिली है। इसमें सौर संच. ालित मशीनों से जड़ी–बूटियों युक्त गुड़ कैंडी तैयार करने वाली विनीता पंत, ऑनलाइन वोटिंग सिस्टम एप बनाने वाले एमसीए के छात्र ओमकार, पर्यावरण संरक्षण पर आदित्य शर्मा, जीवन रक्षक एंबुलेंस के लिए तरुण कुमारी, सौर फोटोवोल्टिक आधारित बैटरी फिट नियंत्रित परावर्तक के लिए मोहम्मद मुर्तजा, कंप्यूटर साइंस के छात्र हर्ष भारद्वाज, मोहम्मद हाशिम, दस्तावेज सत्यापन के लिए आइडिया देने वाले शि. शिर कुमार चौरसिया, शिक्षा के क्षेत्र में पीयूष बाबरा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से सिंचाई के लिए कार्तिकेय मौर्य, कैफे पुस्तकालय के लिए अंशुमान त्यागी, ब्लॉगिंग वेबसाइट के लिए हरिओम पांडेय, पेडल कम सोलर ऑपरेटिंग मशीनके लिए अतुल कुमार, पौधामृत खाद तैयार करने वाले आशु को पुरस्कृत किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर नाजिया तरन्नुम को 50 हजार रुपये का पुरस्कार मिला। उन्होंने तत्काल चिपकने वाला मिश्रण तैयार किया है। यह जल प्रतिरोधक है।

तिलक पत्रकारिता स्कूल के छात्र सावन को अर्थ डे हीरो अवार्ड

होनहार

मेरठ। पर्यावरण संरक्षण हेतु पिछले छह वर्षों से एनवायरमेंट क्लब के माध्यम से समाज और युवाओं को पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूक तथा शिक्षित करने वाले और एनवायरमेंट क्लब संस्थापक मेरठ के सावन कन्नौजिया को 2022 के लिए अंतरराष्ट्रीय अर्थ डे हीरो अवार्ड दिया गया है। सावन वर्तमान में तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल के बीजेएमसी छठे सेमेस्टर के छात्र हैं।

अंतरराष्ट्रीय संस्था अर्थ डे नेटवर्क, जिसने 52 वर्ष पहले विश्व पृथ्वी दिवस मनाने की पहल की थी, की भारतीय शाखा यानी अर्थ डे नेटवर्क इंडिया की ओर से सावन को यह पुरस्कार 3 मई को नई दिल्ली में प्रदान किया गया। सावन ने बताया कि प्रतिवर्ष धरा के संरक्षण हेतु उत्तम कार्य कर रहे तीन पर्यावरण कार्यकर्ताओं को अर्थ डे नेटवर्क इंडिया की ओर से यह पुरस्कार दिया जाता है, जिसमें इस वर्ष उन तीन नाम में से एक नाम उनका भी है। तिलक पत्रकारता स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार और सभी शिक्षकों ने सावन की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है।

योगमय हुआ परिसर

1— विश्वविद्यालय में जन समुदाय के साथ योग करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।
2— कुलपति के साथ सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने भी शिविर का लाभ उठाया।
3— शिविर में भाग लेते ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर।
4— स्वामी कर्मवीर महाराज को पादप भेंट करतीं कुलपति।

विश्वविद्यालय और क्रीड़ा भारती ने कराया साप्ताहिक योग शिविर

परिसर संवाददाता

मेरठ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पिछले वर्षों की भांति इस साल भी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और कीड़ा भारती ने साप्ताहिक योग शिविर का आयोजन बेहद भव्य तरीके से किया। योग शिविर विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर 15 जून से 21 जून तक चला। इस दौरान शहर के सैकड़ों लोगों ने रोजाना सुबह 5:00 बजे से 7:00 बजे तक योगाभ्यास करके स्वास्थ्य लाभ कमाया।

योग शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के साथ सांसद राजेंद्र अग्रवाल, ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर, राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने किया।

शिविर में स्वामी कर्मवीर महाराज ने योगाभ्यास कराया। साथ ही स्वामी कर्मवीर के मार्गदर्शन में गुरुकुल की योग प्रशिक्षक छात्राओं द्वारा कराया गया योगाभ्यास इस बार का खास आकर्षण रहा। स्वामी कर्मवीर महाराज ने सुबह योगाभ्यास कराने के बाद विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में शाम 5:00 बजे से 7:00 बजे लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं का निवारण भी किया।

2

3

4

परिवार की धुरी हैं महिलाएं, उनका स्वास्थ्य सर्वोपरि : अतुल कोठारी

परिसर संवाददाता

मेरठ। शिक्षा संस्कृति न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य सर्वोपरि है, क्योंकि महिलाएं परिवार की धुरी होती है। सुखी परिवार से मिलकर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। महिलाएं दूसरों के लिए तो बहुत चिंता करती हैं, लेकिन अपने स्वास्थ्य को अनदेखा कर देती हैं। ऐसे में महिलाओं में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागृति अनिवार्य है। डॉ. कोठारी बुधवार 4 मई को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य न्यास व भाभी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

डॉ. कोठारी ने कहा कि जिस देश में लोगों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता, वह देश कैसे आगे बढ़ सकता है? परिवार के स्वास्थ्य को अच्छा करने में महिलाओं की बड़ी भूमिका है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि आज देश में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाएं सर्वोच्च स्थान पर न हों। मातृशक्ति ने इस देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारी बेटियां सभी क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन है। मातृशक्ति हमेशा से पूज्यनीय रही है। मातृशक्ति के अंदर साहस और सहनशीलता पहले से ही है, इसीलिए उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागृत होना पड़ेगा। यदि वह स्वस्थ रहेंगी तो राष्ट्र भी स्वस्थ रहेगा।

प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि भारत की बेटियां अपनों के कर्तव्य में इतनी मग्न होती हैं कि वे अपने स्वास्थ्य की परवाह नहीं करती। भारत की नारी में अद्भुत समर्पण की भावना है। आज भी महिलाएं अपने स्वास्थ्य को तुलनात्मक रूप से कम प्राथमिकता देती हैं।

छात्रों के घर पहुंचेगी डिग्री

परिसर संवाददाता

मेरठ। मेरठ और आसपास के छात्र–छात्राओं को अब अपनी डिग्री के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) परिसर में दौड़ लगाने की जरूरत नहीं है। छात्रों को उनके पते पर निश्शुल्क डिग्री भेजी जाएगी। छात्र–छात्राएं जिस पते पर डिग्री चाहते हैं, उसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर जाकर भर सकते हैं। विश्वविद्यालय डाक से उस पते पर डिग्री भेज दी जाएगी।

पहले चरण में विश्वविद्यालय वर्ष 2016–17, वर्ष 2017–18, वर्ष 2018–19 और वर्ष 2019–20 में उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं की डिग्री भेजेगा। राजकीय, अनुदानित और सेल्फ फाइनेंस कालेजों के साथ विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों के लिए यह सुविधा रहेगी। जो छात्र अपनी डिग्री चाहते हैं, वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर स्टूडेंट हेल्प डेस्क में दिए गए लिंक प्रोवाइड इनफार्मेशन टू गेट ओनली ओरिजनल डिग्री पर जाकर अपना पता अपडेट कर सकते हैं।

यह करना होगा छात्रों को

राजकीय और अनुदानित कालेजों से वर्ष 2020 में सभी पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण रेगुलर, प्राइवेट छात्र–छात्राओं की डिग्री उनके कालेज में भेजी जा रही है। इस सत्र के छात्रों को लिंक पर अपना पता अपडेट करने की जरूरत नहीं है। विश्वविद्यालय ने यह लिंक केवल मूल उपाधि भेजने के लिए उपलब्ध कराया है। अगर कोई छात्र डुप्लीकेट डिग्री चाहता है तो उसे निर्धारित शुल्क जमा कर जरूरी प्रमाणपत्र विश्वविद्यालय में जमा करना होगा।